कुलसचिव कार्यालय
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ–226007

संदर्भ संख्या :...../सम्बद्धता/2021

दिनांक :. .....

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या,
समस्त सहयुक्त, महाविद्यालय,
(जनपद–लखनऊ, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, हरदोई व सीतापुर)
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

विषय : "चौरी–चौरा शताब्दी समारोह" के आयोजन के दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उ0प्र0 शासन, लखनऊ के पत्र संख्या : 337/सत्तर–3–2021, दिनांक 29.01.2021 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा "चौरी–चौरा शताब्दी समारोह" के के अन्तर्गत कार्य योजना बनाकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं।

अतः उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उ0प्र0 शासन के उपरिलिखित पत्र दिनांक 29.01.2021 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित है। कृपया तद्नुसार अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय

संलग्नक : उपरोक्तानुसार।

(डॉ0 विनोद कुमार सिंह)
कुलसचिव

संख्या : AF 2166-70 दिनांक : 5/2/2021

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. सचिव कुलपति को मा0 कुलपति महोदय के सूचनार्थ।
2. अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
3. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, सेक्टर–एम, आशियाना, लखनऊ।
4. इंचार्ज–वेबसाईट/निदेशक–यू0डी0आर0सी0, ल0वि0वि0 को इस आशय से प्रेषित कि विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड करने एवं समस्त सहयुक्त महाविद्यालयों को ई–मेल/कालेज लॉगिन के माध्यम से प्रेषित करने का कष्ट करें।

(डॉ0 विनोद कुमार सिंह)
कुलसचिव

शीर्ष प्राथमिकता/समयबद्ध
संख्या–337/सत्तर–3–2021

प्रेषक,

मोनिका एस. गर्ग
अपर मुख्य सचिव
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवा में,

1. **कुलपति,**
समस्त राज्य विश्वविद्यालय,
उ0प्र0।

2. **कुलपति,**
समस्त निजी विश्वविद्यालय,
उ0प्र0।

3. **निदेशक**
उच्च शिक्षा,
उ0प्र0, प्रयागराज।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3

लखनऊः दिनॉकः 29 जनवरी, 2021

विषयः– "चौरी–चौरा शताब्दी समारोह" के आयोजन के दौरान उच्च शिक्षण संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चौरी–चौरा की घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की अत्यन्त महत्वपूर्ण घटना है जिसका शताब्दी समारोह दिनांक 04 फरवरी, 2021 से 01 वर्ष के लिए भव्य रूप से आयोजित किया जाना है। प्रत्येक जिलें में मा0 प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में "जनपद स्तरीय आयोजन समिति" एवं जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति (इक्जीक्यूटिव कमेटी) का गठन किया जा रहा है। जनमानस की राष्ट्रीय चेतना को जागृत एवं अभिप्रेरित करने हेतु उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन की युगान्तकारी एवं क्रान्तिकारी घटना "चौरी–चौरा" के स्मरणार्थ "चौरी– चौरा" शताब्दी समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जायेगा।

(2) दिनांक– 04 फरवरी, 2021 को आयोजित होने वाले कार्यक्रमः–

उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा स्वतंत्रता आन्दोलन तथा देश भक्ति गीतों का प्रयोग करते हुए सुमधुर गायन किया जायेगा तथा एक समारोह आयोजित किया जायेगा जिसमें नुक्कड़ कार्यक्रमों के माध्यम से चौरी–चौरा एवं स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित प्रस्तुतियॉ करायी जायेगी।

3/2/2021
05:05 P.M

(3) वर्ष के दौरान आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमः–

i. प्रत्येक विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में पाक्षिक अथवा मासिक रूप से वाद–विवाद प्रतियोगितायें, भाषण प्रतियोगितायें, निबन्ध लेखन प्रतियोगितायें, काव्य पाठ, म्यूरल पेन्टिंग, स्लोगन राइटिंग, रंगोली, क्विज, देश भक्ति गायन, गीत लेखन, लोक गीत में स्वतंत्रता संग्राम, पेन्टिंग, पोस्टर, नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक तथा अन्य अनेक रचनात्मक विधाओं की प्रतियोगितायें आयोजित की जाय जिनकी विजयी प्रतिभागियों को शताब्दी समारोह के समापन समारोह में मुख्य रूप से आमंत्रित किया जाय।

ii. उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा अपनी सुविधानुसार निम्न विषयों पर उच्च स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विशेषज्ञों, शोध छात्र/छात्राओं तथा अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को सम्मिलित करते हुए उनके विचारों की समाहित किया जायेगा और इसका संकलन किया जायेगाः–

- स्वाधीनता संग्राम में हमारा जनपद
- स्वाधीनता संग्राम एवं चौरी– चौरा
- स्वदेशी, स्वावलम्बन एवं स्वच्छता
- आत्म निर्भर भारत।
- आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश
- वोकल फॉर लोकल

iii. चौरी चौरा पर आधारित डाक्यूमेन्ट्र फिल्म तथा अन्य फिल्मों के साथ देश भक्ति की अन्य डाक्यूमेन्ट्री फिल्मों/फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाये।

(4) दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से सम्बन्धित कार्यक्रम

i. दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा चौरी चौरा में पुलिस की गोली से शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का पूरा विवरण प्रामाणिक रूप से प्राप्त किया जाय तथा पुलिस की गोलीबारी के फलस्वरूप विशाल जनसैलाब द्वारा थाना फूंकने की घटना तथा पुलिस द्वारा अभियुक्त बनाए गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पूरी सूची, जिसमें न्यायालय से बरी तथा फांसी की सजा प्राप्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का पूर्ण विवरण प्रामाणिक रूप से प्राप्त कर प्रकाशित किया जाय व प्रदर्शनी भी लगायी जाय।

ii. चौरी–चौरा में शहीद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृति में दीवारों पर म्यूरल बनाये जाये तथा चौरी–चौरा की घटनाओं पर आधारित शिल्प एवं शहीदों की मूर्तियॉ स्थापित करायी जायें। चौरी–चौरा की सम्पूर्ण घटना को टेराकोटा, सेरेमिक, सीमेन्ट तथा ग्लास, पत्थर, धातु आदि माध्यमों से आकर्षक एवं स्थायी बनाया जाये। ललित कला संकाय, पर्यटन विभाग एवं विश्वविद्यालय मिलकर यह कार्यक्रम करेगें।

(5) शोध एवं संकलन

i. प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय में अपने–अपने जनपद व कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित शोध कार्यों हेतु इतिहास व पुरातत्व विभाग, भाषा विभाग पृथक–पृथक स्कॉलरशिप की कार्ययोजना बनाये। शोध कार्य उत्कृष्ट स्तर के हों जिसमें इतिहास के विभिन्न पहलुओं के अतिरिक्त गांव में प्रचलित वाचिक परम्पराओं की जानकारियों, गीतों, कहानियों आदि का भी संकलन किया जाय। निजी संग्रह में भी अनेक महानुभावों द्वारा तत्कालीन समाचार पत्रों, फोटो तथा अन्य अभिलेखों का संग्रह सुरक्षित रखा गया होगा, उन्हें कैसे प्राप्त किया जा सकता है, इसकी कार्ययोजना बनायी जाय।

ii. स्वतंत्रता संग्राम के स्थलों/तिथियों/घटनाओं पर वास्तविक लेखन कराया जाय। प्रत्येक जनपद में विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे शोध कार्यों एवं लेखन को प्रोत्साहित किया जाये, इन सबका प्रकाशन कर शताब्दी समारोह के अन्त में प्रस्तुत किया जाय। इस संकलन एवं तत्कालीन साहित्य तथा अभिलेखों को कैसे डिजिटाइज किया जा सकता है, इस पर भी कार्ययोजना बनायी जाय।

iii. चौरी–चौरा स्वाधीनता आन्दोलन की महत्वपूर्ण घटना है। स्वतन्त्रता संग्राम की हर छोटी–बड़ी महत्वपूर्ण घटना को सभी जनपदों में दो चरणों में संकलित किया जाये। प्रथम चरण सन् 1857 से 1947 तक के स्वतन्त्रता आन्दोलन तथा स्वतन्त्रता प्राप्ति की घटनाओं, स्थलों एवं सेनानियों से सम्बन्धित होगा। द्वितीय चरण आजादी से लेकर अबतक देश की रक्षा के लिए हुए युद्धों में शहीदों द्वारा देश की सुरक्षा के लिए किये गये बलिदानों से सम्बन्धित होगा। ऐसे बलिदानी शहीदों के गॉव और उनकी गाथाओं को नयी पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है।

(6) चौरी–चौरा शताब्दी समारोह का यह आयोजन राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय समिति द्वारा किया जायेगा, जिसकी विशेष "थीम" होगी–"स्वदेशी, स्वावलम्बन एवं स्वच्छता" होगी।

स्वदेशी के अन्तर्गत खादी के व्यापक प्रचार–प्रसार के साथ स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता प्रदान की जाये। "लोकल फॉर वोकल" की भावना से स्वदेशी को प्रोत्साहित किया जाये।

स्वावलम्बन की भावना आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश की मूल भावना है। प्रत्येक जनपद के विभिन्न उत्पादों (ODOP) में विशेष कार्य करने वाले उद्यमियों, बुनकरों, महिला स्वयं सहायता समूहों, शिल्पकारों आदि को विश्वकर्मा श्रम सम्मान, कौशल विकास पुरस्कार आदि से समन्वय किया जाये, जिन्होंने आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश के लिए उत्कृष्ठ एवं अनोखी योजना का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

स्वच्छता की भावना को बढावा देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में श्रमदान कार्यक्रम एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाये एवं अच्छा कार्य करने वाले को पुरस्कार एवं सम्मान तथा प्रोत्साहन के अनेक सम्भव कार्य किये जाये।

(7) 15 अगस्त, 1947 से 15 अगस्त, 2022 तक आजादी की 75 वर्ष पूर्ण होंगे। "स्वाधीनता संग्राम में हमारा जनपद" तथा "स्वाधीनता संग्राम एवं चौरी–चौरा" आदि विषयों पर सभी शैक्षणिक संस्थान अपने–अपने स्तर पर विविध आयोजन करें।

(8) चौरी चौरा शताब्दी समारोह के लिए शासन स्तर पर श्री अब्दुल समद, विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग तथा निदेशालय स्तर पर डा0 हिरेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त निदेशक, (उच्च शिक्षा) उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज समन्वयक होगें।

विश्वविद्यालय स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किये जायेगें जो विश्वविद्यालय क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सभी महाविद्यालयों एवं निजी विश्वविद्यालयों में कार्यक्रमों का समन्वय करेंगे। कृपया नोडल अधिकारी का विवरण, नाम/मोबाइल नम्बर/ई–मेल आई0डी0 उच्च शिक्षा अनुभाग–3 के ई–मेल आई0डी0 hesection.3@gmail.com पर दिनांक 03 फरवरी, 2021 तक उपलब्ध कराया जाय। समस्त सम्बन्धित शैक्षणिक संस्थान चौरी–चौरा शताब्दी समारोह हेतु कराए जाने वाले कार्यों पर होने वाले व्यय का वहन स्वयं किया जायेगा।

(9) चौरी–चौरा की ऐतिहासिक घटना को जनमानस में "चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव" के नाम से 'लोगो' (प्रतीक चिन्ह) संस्कृति विभाग द्वारा बनवाया जा रहा है। यह 'लोगो' प्रदेश के समस्त शासकीय स्टेशनरी/लेटर पैड/स्मृति चिन्हों तथा अन्य प्रकाशन कार्य में प्रयोग किया जाय। साथ ही उक्त कार्यक्रमों में संस्कृति विभाग द्वारा निर्गत "चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव" से सम्बन्धित लोगो (प्रतीक चिन्ह) प्रभावी स्लोगन (नारा) का प्रयोग किया जायेगा।

(10) उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत समस्त संस्थान चौरी–चौरा शताब्दी समारोह के वर्ष भर आयोजन हेतु विस्तृत कार्ययोजना एवं एक्टीविटी कैलेण्डर बनाकर कियान्वित करेंगे। हर राज्य एवं निजी विश्वविद्यालय उक्त कार्ययोजना की एक प्रति दिनांक 03 फरवरी, 2021 तक उच्च शिक्षा अनुभाग–3 की ई–मेल आई0डी0 hesection.3@gmail.com, उच्च शिक्षा परिषद् के ई–मेल upshec@gmail-com तथा निदेशालय के ई–मेल dhedegreevikas@gmail-com पर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीया,

29/1

(मोनिका एस. गर्ग)
अपर मुख्य सचिव।